Issue of industrial licence for setting up a Chlorinated Paraffin Wax factory by Travancore Cochin Chemicals Limited, Udyogmandal

1113. SHRI VISWANATHA MENON: Will the Minister of INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Travancore Cochin Chemicals Limited, Udyogmandal, Kerala had applied for grant of an industrial licence for setting up a Chlorinated Paraffin Wax factory in 1970;

(b) whether it is a fact that the Central Government have not taken a decision on the above application; and

(c) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES (SHRI B. P. MAURYA): (a) to (c) It appears from the records that no application for the manufacture of Chlorinated Paraffin Wax was submitted by Messrs. Travancore Cochin Chemicals Limited, Udyogmandal, in 1970. An application was however, submitted by the firm in December, 1969 and that was treated as withdrawn.

हिंदी में पता लिखे पत्र

1114. **श्री ओम प्रकाश त्यागी :** क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अहिन्दी भाषी राज्यों को जो पत्र हिन्दी में पता लिख कर भेजे जाते है वे या तो अपने गन्तव्य स्थानों पर पहुंचते ही नहीं हैं और यदि पहुंचते है तो बहुत देर से ;

(ख) यदि हां, तो अहिन्दी भाषी राज्यों के डाक-घरों में काम करने वाले कर्मचारियों को हिन्दी पढ़ाने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाये हैं और उसका क्या परिणाम निकला है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

†[Letters addressed in Hindi

1114. SHRI O. P. TYAGI: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the letters addressed in Hindi to non-Hindi speaking States either do not reach their destinations or their delivery is considerably delayed;

(b) if so, what steps Government have taken to teach Hindi to the employees working in post offices situated in non-Hindi speaking States and with what results; and

(c) if not, what are the reasons therefor?]

संचार मंत्री (डा० शंकर दयाल शर्मा) : (क) जी नहीं । जिन पत्रों पर ऐसी भाषा (हिन्दी भाषा सहित) में पते लिखे हों जिसकी जानकारी पोस्टिंग या वितरण कार्यालय के कर्मचारियों को न हो, उन पत्रों को आगे प्रेषित करने से पहले उनके पतों का लिप्यन्तरण कर दिया जाता है ताकि उनके वितरण में विलम्ब न हो ।

(ख) और (ग) जहां तक डाक कर्मचारियों को हिन्दी की शिक्षा देने का प्रश्न है, उन्हें गृह मंत्रालय की हिन्दी प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत, उत्तरोत्तर प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।

†[THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (DR. S. D. SHARMA): (a) No Sir; Addresses of letters written in a language, including Hindi, not known at the office of posting or delivery are transcribed before trans-

† [ ] English translation.